

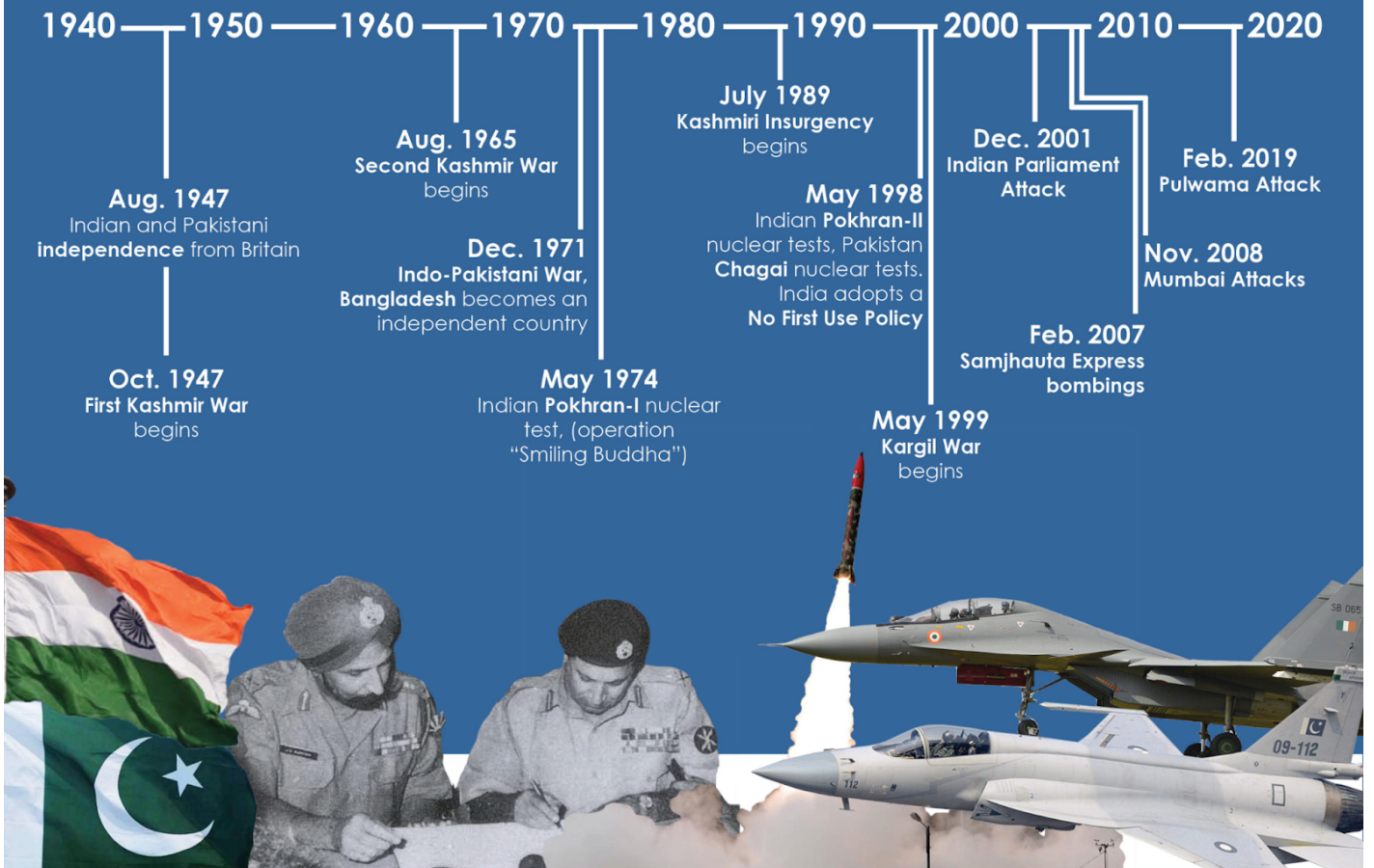
हवलदार अब्दुल हामदि

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)** प्रमुख ने उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर स्थिति धामपुर गाँव का दौरा किया, जो वर्ष **1965 के युद्ध के नायक अब्दुल हमीद** का पैतृक गाँव है।

- उन्होंने हामदि पर दो पुस्तकें- 'मेरे पापा परमवीर' और 'भारत का मुसलमान' लिखीं।
- **अब्दुल हामदि भारतीय सेना में 4 ग्रेनेडियर्स के एक सैनिक थे**, जन्होंने **1965 के भारत-पाकस्तान युद्ध** में असल उत्तर की लड़ाई के दौरान लड़ाई लड़ी और शहीद हो गए।
 - **असल उत्तर (Asal Uttar)** भारत-पाकस्तान सीमा के पास **पंजाब** में स्थिति है।
 - **असल उत्तर की लड़ाई** वर्ष 1965 के युद्ध के दौरान लड़ी गई **सबसे बड़ी टैंक लड़ाइयों** में से एक थी, जहाँ भारतीय सेना ने **पाकस्तानी 1 बख्तरबंद डिवीज़न के आक्रमण को ध्वस्त** कर दिया था।
 - इस लड़ाई के परिणामस्वरूप पाकस्तानी सेना के **97 पैटन टैंक नष्ट** हो गए और एक पूरी पाकस्तानी बख्तरबंद रेजिमेंट ने आत्मसमर्पण कर दिया।
- **हामदि को चीमा गाँव** के पास तैनात किया गया था। **10 सितंबर 1965** को उन्होंने **3 पाकस्तानी टैंक** नष्ट कर दिये और चौथे टैंक को नष्ट कर दिया, लेकिन इस प्रक्रिया में वे मारे गए।
- हामदि को उनकी बहादुरी के लिये **मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र** से सम्मानित किया गया।
- उनकी मृत्यु का स्थान अब एक **युद्ध स्मारक का हिस्सा** है, जहाँ एक कब्रजा किया हुआ पाकस्तानी पैटन टैंक शरद्धांजलि के रूप में खड़ा है।

INDIA-PAKISTAN HISTORY OF CONFLICT



//

और पढ़ें: [कारगलि वजिय दविस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/havaldar-adbul-hamid>